ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय
ग्वालियर, मध्य प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 21-07-2023

उज्जैन(मध्य प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-21 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-22	2023-07-23	2023-07-24	2023-07-25	2023-07-26
वर्षा (मिमी)	70.0	46.0	30.0	32.0	31.0
अधिकतम तापमान(से.)	33.5	33.4	32.4	33.2	33.5
न्यूनतम तापमान(से.)	23.2	23.6	23.4	23.2	23.2
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	93	92	92	89	89
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	69	68	65
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	15	13	17	23	22
पवन दिशा (डिग्री)	294	248	248	249	257
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

कृषि महाविद्यालय, इंदौर के कृषि मौसम विज्ञान प्रषेतरा ईकाई (AMFU) मे स्थित माध्यम अवधी मौसम पूर्वानुमान केंद्र को भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार उज्जैन जिले मे आगामी पाँच दिनो मे 30.0 से 70.0 मिमी वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 32.4 से 33.5 डिग्री सेंटीग्रेट, न्यूनतम तापमान 23.2 से 23.4 डिग्री सेंटीग्रेट रहने का पूर्वानुमान है। हवा दक्षिण पश्चिम दिशा मे 13.0 से 23.0 किमी / घंटा बहेगी।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे स्थानीय भाषा में एग्रोमेट एडवाइजरी के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए मेघदूत मोबाइल एप्लिकेशन डाउनलोड करें। इस एप्लिकेशन को डाउनलोड करने के लिए निम्न लिंक पर क्लिक करें: For Android user: https://play,google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot For IOS user: https://apps.apple.com/in/app/meghdoot/id1474048155 • आने वाले दिनों में वर्षा की सम्भावना को देखेते हुये सभी सब्जियों, दलहनी, मक्का तथा पौधशाला में जल निकास का उचित प्रबंन्ध करें। साथ ही सभी फसलों में सिचाई तथा किसी भी प्रकार का छिडकाव ना करें। • फलों के नऐ बाग लगाने वाले गड्ढों में गोबर की खाद मिलाकर 5.0 मि.ली. क्लोरपाईरिफॉस एक लीटर पानी में मिलाकर गड्ढों में ड़ालकर गड्ढों को पानी से भर दे ताकि दीमक तथा सफेद लट से बचाव हो सके।

लघु संदेश सलाहकार:

• आने वाले दिनों में वर्षा की सम्भावना को देखेते हुये सभी सब्जियों, दलहनी, मक्का तथा पौधशाला में जल निकास

का उचित प्रबंन्ध करें। साथ ही सभी फसलों में सिचाई तथा किसी भी प्रकार का छिडकाव ना करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सोयाबीन	सोयाबीन उत्पादक कुछ क्षेत्रों में इस सप्ताह भारी बारिश होने का अनुमान है। इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे आवश्यक जल निकासी की व्यवस्था करें। देर से आने वाली किस्म : -जिन किसानों ने अभी तक सोयाबीन की फसल की बुआई पूरी नहीं की है, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे कतारों के बीच 30 सेमी की दूरी कम करके बुआई करें। बीज दर को बढ़ाकर 90-100 किग्रा/हेक्टेयर करना। किसानों को खरपतवार नियंत्रण के लिए हाथ से निराई-गुड़ाई/डोरा-कुल्पा/का प्रयोग करने का सुझाव दिया जाता है। उपलब्ध गुणवत्ता परीक्षण: उपज के स्तर में स्थिरता के लिए, किसानों को अलग-अलग परिपक्वता अवधि के साथ 2-3 से अधिक अनुशंसित सोयाबीन किस्मों को उगाने की सलाह दी जाती है। बीज टीकाकरण: बुआई के दौरान, यह सलाह दी जाती है कि बीज को ब्रैडीरिज़ोबियम जैपोनिकम और पीएसएम कल्चर दोनों के साथ 5 ग्राम/किग्रा बीज की दर से टीका लगाया जाए, जो बुआई से ठीक पहले किया जाना चाहिए। रासायनिक कवकनाशी के विकल्प के रूप में, किसानों के पास जैव-कवकनाशी यानी ट्राइकोडर्मा विराइड (10 ग्राम/किग्रा बीज) का उपयोग करने का भी विकल्प है जिसे जैविक संस्कृतियों के साथ मिलाया जा सकता है। बोवनी कि पद्धति: विपरीत मौसम (सूखे कि स्थिति, अतिवृष्टि आदि) से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए सोयाबीन की बोवनी बी.बी. पद्धति या रिज एंव फरों पद्धति सें करें.

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
मिर्च	• जिन किसानों की मिर्च की पौध तैयार है, वे मौसम को मध्यनजर रखते हुए रोपाई मेंड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। किसान भाई ध्यान रखें कि खेत में ज्यादा पानी खड़ा न रहें यदि खेत में पानी ज्यादा रह गया तो उसकी निकासी का तुरंत प्रबन्ध करें।
बैंगन	• जिन किसानों की बैंगन की पौध तैयार है, वे मौसम को मध्यनजर रखते हुए रोपाई मेंड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। किसान भाई ध्यान रखें कि खेत में ज्यादा पानी खड़ा न रहें यदि खेत में पानी ज्यादा रह गया तो उसकी निकासी का तुरंत प्रबन्ध करें।
गोभी	• जिन किसानों की अगेती फूलगोभी की पौध तैयार है, वे मौसम को मध्यनजर रखते हुए रोपाई मेंड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। किसान भाई ध्यान रखें कि खेत में ज्यादा पानी खड़ा न रहें यदि खेत में पानी ज्यादा रह गया तो उसकी निकासी का तुरंत प्रबन्ध करें।
भिण्डी	• भिंड़ी फसल में माईट, जैसिड़ और होपर की निरंतर निगरानी करते रहें। अधिक माईट पाये जाने पर फॉसमाईट @ 1.5-2 मि.ली./ लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव मौसम साफ होने पर करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	• पशुओ को साफ एवं ताजा पानी दिन मे दो बार दे, साथ ही साथ हरे चारा दे। बाहरी परजीवी से बचाव के लिए ब्यूटोक्स का उपयोग करे। पशु शाला की नियमित सफाई करे 1 लीटर पानी मे 5 मिली फिनायल मिलाकर फर्श की सफाई करे।
बकरा	बकरियो मे पी पी आर रोग के नियंत्रण के लिए टीका लगवाए, वर्षा से बकरियो की सुरक्षा करे,बकरियो को हारा चारा साफ पानी एवं सूखे स्थान मे बांधे एवं परजीवी से बचाव के उपाय करे साफ एवं ताजा पानी दिन मे तीन बार दे, साथ ही साथ हरे चारा दे।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	मुरगियों मे रानी खेत बीमारी के नियंत्रण के लिए टीका लगवाए चूजो को 7 दिन की अवस्था पर टीकाकरन करे। मुर्गे एवं मुरगियों मो मिनरल मिक्सचर तथा साफ एवं ताजा पानी दे।